55वीं वार्षिक रिपोर्ट

55th ANNUAL REPORT

2011 - 2012

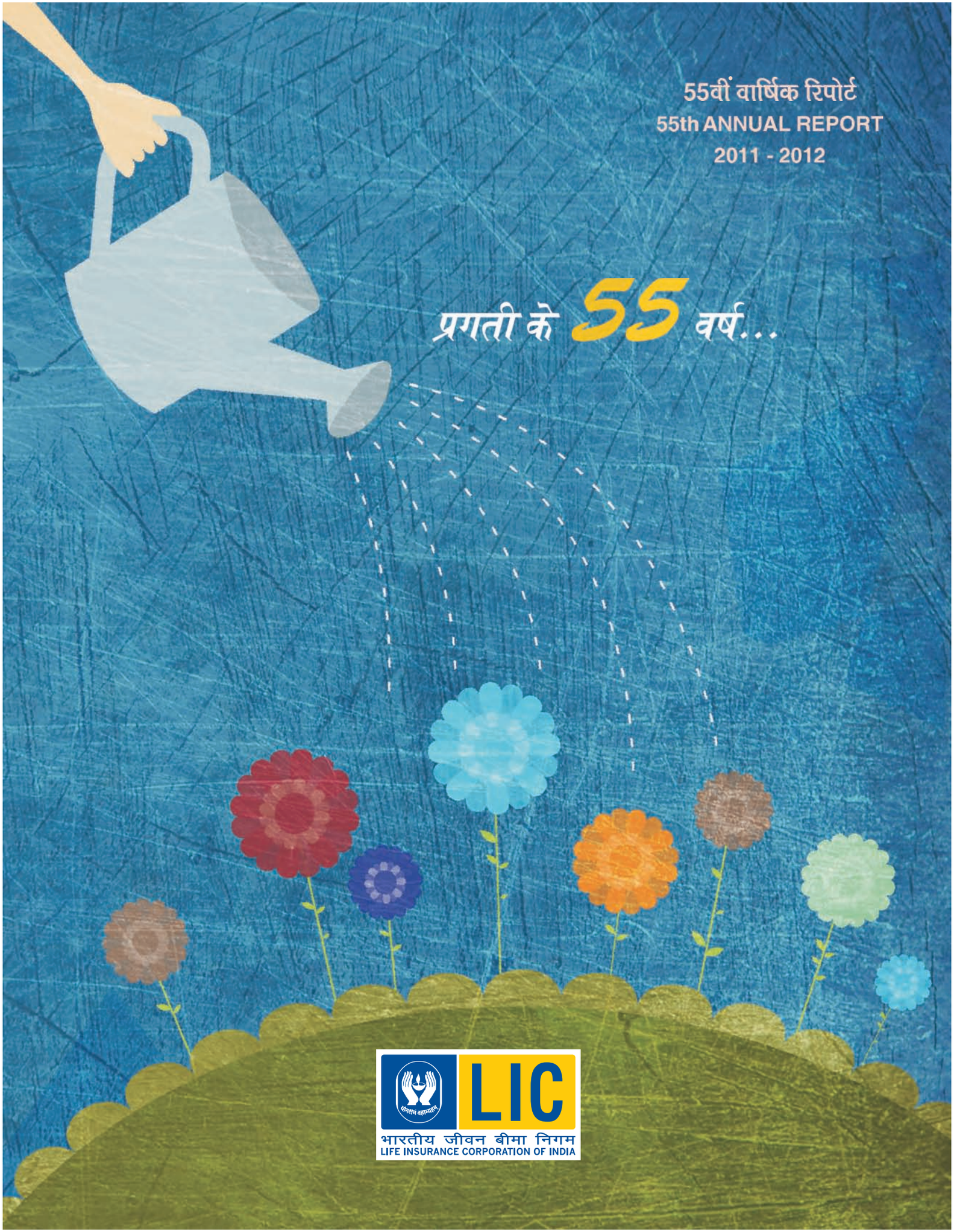

भारतीय जीवन बीमा निगम

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

CURRENT MEMBERS OF THE CORPORATION

श्री डी. के. मेहरोत्रा, अध्यक्ष
Shri D. K. Mehrotra, Chairman

श्री डी. के. मित्तल
Shri D. K. Mittal

श्री अरविंद मायाराम
Shri Arvind Mayaram

श्री टी. एस. विजयन
Shri T. S. Vijayan

श्री थॉमस मेथ्यू टी.
Shri Thomas Mathew T.

श्री सुशोभन सरकार
Shri Sushobhan Sarker

श्री ए. के. रॉय
Shri A. K. Roy

श्री एम. व्ही. टंकसाले
Shri M. V. Tanksale

लेफ्ट. जन. ए. महाजन
Lt. Gen. A. Mahajan

श्री अनुप प्रकाश गर्ग
Shri Anup Prakash Garg

श्री संजय जैन
Shri Sanjay Jain

श्री अशोक सिंह
Shri Ashok Singh

श्री के. एस. संपत
Shri K. S. Sampath

श्री अमरदीप सिंह चीमा
Shri A. S. Cheema

55वीं वार्षिक रिपोर्ट
55th Annual Report
2011-2012

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

विषय सूची

		पृष्ठ
1.	आमुख	5
2.	निगम एवं समितियों के सदस्य, निगम के वरिष्ठ प्रशासक, मुख्य बीमांकक एवं क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं बीमाधारक परिषद के सदस्य	5
3.	आर्थिक परिवेश	5
4.	जीवन बीमा व्यवसाय पर समष्टि आर्थिक परिवेश का प्रभाव	7
5.	कार्य परिणामः	8
	I) नव व्यवसायः व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, नॉन लिंक हेल्थ, यूनिट लिंक व्यवसाय, समूह बीमा व्यवसाय, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रथम बीमा, ग्रामीण बीमा,	
	II) विभिन्न श्रेणीयों में चालू व्यवसायः व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, नॉन लिंक हेल्थ, यूनिट लिंक व्यवसाय, समूह बीमा व्यवसाय	
6.	पूंजी मोचन तथा निश्चित वार्षिकी व्यवसाय	9
7.	पॉलिसियों के सांविधिक विवरण	9
8.	संगठनजन्य ढांचा	9
9.	जीवन निधि, अधिशेष तथा प्रदत्त कर	10
10.	निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व : समूह बीमा योजनाएं एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक क्षेत्र में निवेश एवं स्वर्णजयंति फाऊंडेशन	10
11.	विपणन गतिविधियां :	11
	विभिन्न चैनलों द्वारा किया गया नव व्यवसाय, उत्पाद विकास, बैंकेश्योरेन्स एवं वैकल्पिक चैनल्स, सूक्ष्म बीमा, स्वास्थ्य बीमा और प्रत्यक्ष विपणन	
12.	अभिकर्ता :	13
	अभिकर्ताओं की संख्या, अभिकर्ता क्लब सदस्यता, वृत्तिक अभिकर्ता योजना, मुख्य जीवन बीमा सलाहकार एवं प्राधिकृत अभिकर्ता	
13.	विदेशी प्रचालन : विदेशी शाखाएं एवं विदेशी संयुक्त उपकंपनियां	14
14.	विविध कार्यकलाप :	15
	एल. आई. सी. हाऊसिंग फाईनान्स लिमिटेड, एल. आई. सी. एच. एफ.एल.केयर होम्स लिमिटेड, एल. आई. सी. नमुरा म्यूच्युअल फण्ड एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि., एल. आई. सी.पेंशन फण्ड लिमिटेड, एल. आई. सी. कार्ड सर्विसेस लिमिटेड	
15.	ग्राहक संबंध प्रबन्धन :	16
	दावों का निबटारा, वैकल्पिक जरियों से प्रीमियम भुगतान, ऑफलाइन प्रीमियम भुगतान के माध्यम, ऑनलाइन भुगतान के माध्यम, ग्राहकों की शिकायत का निबटारा,	
16.	निगमित संप्रेषण	18
17.	सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005	19
18.	कार्मिक/कर्मचारी संबंध	20
	कर्मचारियों की संख्या, कर्मचारी संबंध, महिलाओं का सशक्तिकरण, आरक्षण : राष्ट्रीय नीति कार्यान्वयन, अभिकर्ताओ को आवासीय ऋण और खेलकूद	
19.	मानव संसाधन विकास / संगठन विकास /प्रशिक्षण	21
20.	प्रबन्ध विकास केन्द्र	23
21.	राजभाषा कार्यान्वयन	23

		पृष्ठ
22.	अभियांत्रिकी कार्यकलाप	24
23.	सम्पदा/सामरिक व्यवसाय इकाई – सम्पदा	24
24.	सूचना प्रौद्योगिकी	24
25.	आंतरिक अंकेक्षण	25
26.	निरीक्षण	25
27.	बीमालेखन एवं पुनर्बीमा	25
28.	सतर्कता	27
29.	नामित निदेशक	27
30.	जोखिम प्रबन्धन	27
31.	कॉर्पोरेट अभिशासन	27
32.	बोर्ड की बैठकें	27
33.	केन्द्रीय प्रबन्धन समिति	28
34.	क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड	28
35.	पॉलिसीधारक परिषद	28
36.	जीवन बीमा निगम अधिनियम के अंतर्गत निर्देश	28
37.	लेखा परीक्षक	28
38.	वित्तीय वर्ष 2012–2013 के लिए योजना	28
39.	आभार प्रदर्शन	28
	परिणामों का सारांश	29
	सारणी	33
परिशिष्ट – I		46
	निगम एवं विभिन्न समितियो के सदस्य, निगम के वरिष्ठ प्रशासक एवं नियुक्त बीमाकंक, क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं बीमाधारी परिषद के सदस्यगण	
परिशिष्ट – II		56
	सांविधिक (केन्द्रीय) लेखा परीक्षक	
लेखा :		112
	लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	
जीवन व्यवसाय :		
	वित्तीय विवरण (खण्डीय)	
	तुलन–पत्र : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित	116
	भारत राजस्व लेखा : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित (सहभागी एवं गैरसहभागी)	118
	लाभ–हानि खाता : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित	122
	अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत हैं (अनुसूचियां 1 से 15 तक)	124
	वित्तीय विवरणों का सारांश	182
	अनुपात	184
	प्राप्ति एवं भुगतान लेखा (नकद प्रवाह विवरण)	186
	पूंजी मोचन (निर्धारित सहित) बीमा व्यवसाय :	
	तुलन पत्र	188
	राजस्व लेखा	190
	लाभ हानि लेखा	192
	अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत हैं (अनुसूचियां 1 से 4,6,8 और 11 से 14 तक)	194
	प्रबंधन रिपोर्ट	204

INDEX

		Page
1.	**PREAMBLE**	57
2.	**MEMBERS OF THE CORPORATION, VARIOUS COMMITTEES, SENIOR EXECUTIVES AND APPOINTED ACTUARY, MEMBERS OF ZONAL ADVISORY BOARD AND POLICYHOLDERS' COUNCIL**	57
3.	**ECONOMIC SCENARIO**	57
4.	**MACRO ECONOMIC FACTORS THAT AFFECTED LIFE INSURANCE BUSINESS**	59
5.	**WORKING RESULTS**	
	I. **New Business -** Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Non Linked Health, Unit Linked Business, Group Insurance Business, Social Security Schemes, First Insurance, Rural Thrust	60
	II. **Business in Force in Various Segments** — Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Non Linked Health, Unit Linked Business, Group Insurance Business	61
6.	**CAPITAL REDEMPTION AND ANNUITY CERTAIN BUSINESS**	61
7.	**STATUTORY STATEMENTS REGARDING POLICIES**	61
8.	**ORGANISATIONAL SET UP**	61
9.	**LIFE FUND, SURPLUS AND TAXES PAID**	62
10.	**CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY** Group Schemes and Social Security, Investment in social sector and Golden Jubilee Foundation	62
11.	**MARKETING ACTIVITIES** New Business procured during 2011-12 Channel wise, Product Development, Bancassurance & Alternate Channels, Micro Insurance, Health Insurance and Direct Marketing.	63
12.	**AGENTS** Agency Strength, Agent's Club Membership, Career Agents Scheme, Chief Life Insurance Advisor Scheme and Authorised Agents	65
13.	**OVERSEAS OPERATIONS –** Foreign Branches and Foreign Joint Venture Companies	66
14.	**DIVERSIFIED ACTIVITIES** LIC Housing Finance Ltd., LICHFL Care Homes Ltd., LIC Nomura Mutual Fund Asset Management Company Ltd., LIC Pension Fund Ltd. and LIC Cards Services Ltd.	67
15.	**CUSTOMER RELATIONSHIP MANAGEMENT** Settlement of Claims, Alternate Channels of premium payments, Offline Payment Channels, Online Payment Channels and Customer's Grievances Redressal	68
16.	**CORPORATE COMMUNICATION**	70
17.	**RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005**	71
18.	**PERSONNEL & EMPLOYEE RELATIONS** Staff Strength, Employee Relations, Empowerment of Women, Reservation and National Policy Implementation - Housing Loan to Agents and Sports	72
19.	**HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT / ORGANISATIONAL DEVELOPMENT / TRAINING ACTIVITIES**	73
20.	**MANAGEMENT DEVELOPMENT CENTRE**	75
21.	**OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION**	75

		Page
22.	ENGINEERING ACTIVITIES	76
23.	STRATEGIC BUSINESS UNIT - ESTATES	76
24.	INFORMATION TECHNOLOGY	76
25.	INTERNAL AUDIT	77
26.	INSPECTION	77
27.	UNDERWRITING AND REINSURANCE	77
28.	VIGILANCE	79
29.	NOMINEE DIRECTORS	79
30.	RISK MANAGEMENT	79
31.	CORPORATE GOVERNANCE	79
32.	BOARD MEETINGS	79
33.	CENTRAL MANAGEMENT COMMITTEE	80
34.	ZONAL ADVISORY BOARD (ZAB)	80
35.	POLICYHOLDERS' COUNCIL (PHC)	80
36.	DIRECTION UNDER LIC ACT	80
37.	AUDITORS	80
38.	BUSINESS PLANS FOR 2012-13	80
39.	ACKNOWLEDGEMENT	80
	SUMMARISED RESULTS	81
	TABLES	85
APPENDIX - I		98
	Members of the Corporation, Members of the various committees, Senior Executives and Appointed Actuary, Members of Zonal Advisory Boards and Policyholders' Council.	
APPENDIX - II		108
	Statutory (Central) Auditors	
ACCOUNTS		113
	Auditor's Report	
LIFE BUSINESS		
	Financial Statement (Segmental)	
	Balance Sheet-Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India.	116
	India Revenue Account-Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India (Participating and Non Participating)	118
	Profit and Loss Account- Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India	122
	Schedules forming a part of the Financial Statements (Schedule 1 to 15)	124
	Summary of Financial Statements	182
	Ratios	184
	Receipt and Payment Account (Cash Flow Statement)	186
CAPITAL REDEMPTION (INCLUDING ANNUITY CERTAIN) INSURANCE BUSINESS		
	Balance Sheet	188
	Revenue Account	190
	Profit & Loss Account	192
	Schedules forming part of the Financial Statements (Schedules 1 to 4, 6, 8 & 11 to 14)	194
	Management Report	205

1. आमुख :

भारतीय जीवन बीमा निगम को 31.3.2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 की धारा 27 के अन्तर्गत अपनी 55वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में हर्ष हो रहा है ।

2. निगम एवं समितियों के सदस्य:

निगम के सदस्यों तथा वर्ष के दौरान इसकी विभिन समितियों के सदस्यों के नाम, निगम के वरिष्ठ प्रशासक, मुख्य बीमांकक, क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं पालिसीधारक परिषद के नाम परिशिष्ट I (पृष्ठ सं 46 से 55 तक) में हैं ।

3. आर्थिक परिवेश :

वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर, मूल उधार की दरों में कटौती की भारतीय रिज़र्व बैंक की अपेक्षा तथा बढ़ते हुए राजस्व घाटे को रोकने हेतु उपायों की पहल करने की सरकार की अपेक्षा के साथ, आर्थिक स्थिति में परिवर्तन की आशाएं अनिश्चित ही रहीं । यद्यपि पिछले वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में अर्थव्यवस्था में उचित गति से वृध्दि हुई, फिर भी यूरो क्षेत्र में मौद्रिक ऋण समस्याओं के बदतर हो जाने से वैश्विक आर्थिक स्थिति के अपकर्ष के कारण वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक आर्थिक वृध्दि में निरंतर संतुलन बना रहा । देश की राजनीतिक स्थिति, मुद्रास्फीति को रोकने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा की गई आर्थिक कार्रवाई तथा बढ़ते हुए वित्तीय एवं चालू खाता घाटे के कारण आर्थिक वृध्दि अपेक्षा से कम रही।

(क) सकल घरेलू उत्पाद : (जी.डी.पी.)

2010-11 के ₹ 48,85,954 करोड़ की तुलना में 2011-12 में, कारक लागत पर स्थिर मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद में 6.5% की संतुलित वृध्दि प्रदर्शित करते हुए ₹52,02,514 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2010-11 के ₹71,57,412 करोड़ के सकल घरेलू उत्पाद के त्वरित अनुमान की अपेक्षा, वर्तमान मूल्यों पर उपादान लागत पर सकल घरेलू उत्पाद में 15% से ₹82,32,652 करोड़ तक वृध्दि हुई।

कृषि, वानिकी तथा मत्स्य उद्योग में पिछले वित्तीय वर्ष के 7% की तुलना में 2.8% से वृध्दि दर्ज हुई। उद्योग क्षेत्र की वृध्दि में भी, वर्ष 2010-11 के 6.8% की तुलना में, खनन, उत्पादन तथा निर्माण क्षेत्र की वृध्दि में महत्वपूर्ण गिरावट के कारण 2.6% तक संतुलन बना रहा । उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं को छोड़कर सभी प्रयोग आधारित वर्गीकरण की वृध्दि दरों में महत्वपूर्ण गिरावट के साथ औसतन सामान्य आईआईपी में वृध्दि 2.9% तक संतुलित रही।

हालांकि सेवाओं में वृध्दि में 9.2% से 8.9% तक का मामूली संतुलन बना रहा।

हालांकि सकल स्थायी पूंजी निर्माण सकल घरेलू उत्पाद के पिछले वित्तीय वर्ष के क्रमश: 30.4% तथा 32.5% की तुलना में 29.5% तथा 32% रहा, अत: व्यय की दिशा में, दोनों, निजी एवं सरकारी – खपत सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में गिरावट आयी। अत: उपभोग एवं निवेश – दोनों में महत्वपूर्ण गिरावट हुई।

(ख) सकल घरेलू बचत : (जी.डी.एस.)

वर्ष 2010-11 में वर्तमान मूल्यों पर सकल घरेलू बचत तुरंत अनुमान के अनुसार, ₹24,81,931 करोड़ रही । सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में सकल घरेलू बचत के बाजार दरों पर हिस्से में वर्ष 2009-10 के 33.8% से वर्ष 2010-11 में 32.3% की गिरावट आयी । सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत रूप में घरेलू क्षेत्र की बचत में 2009-10 के 25.4% से 2010-11 में 22.8% तक तीव्र गिरावट हुई । सकल घरेलू बचत में घरेलू क्षेत्र के हिस्से में 2008-09 के 73.8% की तुलना में 2009-10 में 75.1% तक के उभार के बाद 2010-11 में 70.5 % तक गिरावट हुई । सकल घरेलू बचत में घरेलू क्षेत्र की वित्तीय बचत के हिस्से में 2009-10 के 38.3% की तुलना में 30.9% तक गिरावट आयी । कुल मिलाकर, 2009-10 की 14.7% की तुलना में सकल घरेलू बचत में 18.8% से बढ़ोतरी हुई । हालांकि 2010-11 में कुल घरेलू बचत में 6.7% से वृध्दि हुई, वित्तीय बचत में 8.1% की गिरावट दर्ज हुई ।

2010-11 में सकल वित्तीय बचत के 22.2% की तुलना में, जीवन बीमा निगम तथा निजी बीमाकर्ताओं के निधि के हिस्से में 23.1% तक बढ़ोतरी हुई । सकल वित्तीय बचत में 2010-11 के 45.6% से 52.8% तक की मामूली वृध्दि हुई ।

(ग) वित्तीय स्थिति : (फिस्कल पोजिशन)

केन्द्र तथा राज्य सरकारों का संयुक्त सकल वित्तीय घाटा 2009-10 में सकल घरेलू उत्पाद के 6.9% की तुलना में 2011-12 में 8.2% रहा । यह वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए 7.1% होने का अनुमान है ।

केन्द्र सरकार के वित्तीय घाटे का अनुमानित बजट 2011-12 में सकल घरेलू उत्पाद के 5.9% की तुलना में 2012-13 में 5.1% है ।

केन्द्र एवं राज्य सरकारों का संयुक्त कर राजस्व, प्रत्यक्ष करों में 18.3% से ₹5,97,460 करोड़ की तथा अप्रत्यक्ष करों में 17.2% से ₹8,62,001 की वृध्दि के साथ, 2011-12 में 17.2% से ₹14,54,935 करोड़ तक बढ़ा। जबकि केन्द्र सरकार के सकल राजस्व में 18.5% से ₹9,32,440 करोड़ तक वृध्दि हुई, राज्य सरकारों के राजस्व में 16.1% से ₹5,27,021 करोड़ की वृध्दि दर्ज हुई ।

केन्द्र तथा राज्य सरकारों के संयुक्त रूप से विकासात्मक, गैर-विकासात्मक व्यय तथा अन्य व्ययों में 2011-12 में 7.1% से ₹24,14,027 करोड़ की वृध्दि हुई । जबकि विकासात्मक व्ययों में 5.2% से ₹14,16,484 करोड़ की तथा गैर-विकासात्मक व्ययों में 9.7% से ₹9,65,306 करोड़ की वृध्दि दर्ज हुई । 2011-12 में केन्द्र एवं राज्य सरकारों के कर राजस्व का बाजार दरों पर सकल घरेलू उत्पाद से अनुपात 2010-11 के 16.2% की तुलना में 16.4% रहा ।

(घ) वित्तीय स्थिति:

रिज़र्व बैंक ने संपूर्ण वर्ष के दौरान मुद्रास्फीति को स्थिर रखने पर अपना ध्यान केंद्रित रखा । इसके फलस्वरूप, वर्ष के दौरान रेपो दरों में पांच बार 6.8% से 8.5% तक उर्ध्वगामी संशोधन किए गए । हालांकि, तरलता (नकदी) की स्थिति का मुकाबला करने के लिए वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही के दौरान नकद आरक्षित अनुपात में 6.00% से 5.5% तक अधोगामी संशोधन किए गए ।

(ङ) मुद्रास्फीती :

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किए गए कठोर वित्तीय उपायों के बावजूद नवम्बर, 2011 तक मुद्रास्फीति का दबाव ज्यों का त्यों बना रहा । यद्यपि पिछले चार महीनों में थोक मूल्य सूचकांक संतुलित रहा, गिरावट अपेक्षित स्तर पर नहीं थी और थोक मूल्य सूचकांक में वर्ष दर वर्ष वृध्दि के साथ मार्च, 2012 के लिए 7.7% पर वित्तीय वर्ष समाप्त हुआ । इस वर्ष के औसतन थोक मूल्य सूचकांक में प्राथमिक वस्तुओं में 9.8%, इंधन एवं विद्युत में 14% तथा निर्मित उत्पाद में 7.3% बढ़ोतरी के साथ 8.9% वृध्दि हुई ।

औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-IW) नवम्बर, 2011 तक 9 से 10% की श्रेणी में रहा। उसके बाद जनवरी, 2012 तक उसमें 5.3% तक संतुलन बना रहा, जबकि मार्च, 2012 तक उसमें पुन: 8.6% तक बढ़ोतरी हुई ।

(च) शेयर तथा ऋण (इक्विटी तथा डेट) बाजार :

कॉल मनी का मासिक भारित औसत नियमित रूप से बढ़कर अप्रैल, 2011 के 6.6% से मार्च, 2012 में 9.2% पर पहुंचा ।

वर्ष के दौरान शेयर बाजार, बीएसई के बाजार पूंजीकरण के साथ श्रेणीबध्द रहा, जिसमें मार्च, 2011 के ₹68,36,878 करोड़ तथा अप्रैल, 2011 के ₹69,05,753 करोड़ से मार्च, 2012 में ₹62,09,535 करोड़ तक गिरावट आयी । वर्ष के दौरान पूर्व में प्राप्त स्तरों को पुन: प्राप्त करने से पहले औसत बाजार पूंजीकरण में नवम्बर, 2011 तथा दिसम्बर, 2011 माह में क्रमश: ₹56,69,232 करोड़ से ₹53,45,766 करोड़ तक ठोस गिरावट आयी । एनएसई के बाजार पूंजीकरण में भी मार्च, 2011 के ₹67,02,616 करोड़ तथा अप्रैल, 2011 के ₹67,53,614 करोड़ से मार्च, 2012 में ₹60,96,518 करोड़ तक महत्वपूर्ण गिरावट हुई।

अमेरिका में धीमी गति से हो रही वृद्धि के कारण, सॉवरिन ऋण की बदतर स्थिति के साथ-साथ यूरो क्षेत्र की गतिहीन वृध्दि तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मुद्रास्फीति दबावों के लिए दी गई मौद्रिक प्रतिक्रिया का प्रभाव निवेश-भावना पर होता रहा । सरकारी प्रतिभूतियों एवं कॉर्पोरेट बॉण्डस में एफआईआई सीमा को बढ़ाकर, भारतीय शेयर बाजारों में गुणवत्तापूर्ण संस्थागत निवेशकों द्वारा प्रत्यक्ष निवेश कर तथा एफआईआई ऋण सीमा की पुनर्निवेश अवधि में परिवर्तनों के माध्यम से पहल किए गए उपायों का प्रभाव सीमित रहा । वित्तीय वर्ष के अंत में वर्तमान दरों पर मार्केट पूंजी के सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में एनएसई तथा बीएसई – दोनों में क्रमश: 87% से 69% तथा 89% से 70% तक भारी गिरावट हुई । गैर-सरकारी सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी मामलों में 70 से 49 तक गिरावट आयी और जुटायी गयी राशि में भी पिछले वित्तीय वर्ष की ₹24830 करोड़ की तुलना में ₹8152 करोड़ तक भारी कमी आयी । वर्ष के दौरान म्युच्युअल फंडों का शुध्द व्यय ₹43,744 करोड़ रहा । गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं की क्षेत्र की कुल जमा राशियों में भी ₹11977 करोड़ से ₹9551 करोड़ तक गिरावट आयी । इसके विपरीत सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों द्वारा जारी बॉण्ड्स में पिछले वर्ष के ₹53608 करोड़ की तुलना में ₹85599 करोड़ तक बढ़ोतरी हुई । निजी निवेशों में भी ₹2,38,396 करोड़ से ₹2,17,982 करोड़ तक की गिरावट अनुभव की।

(छ) वैश्विक परिवेश :

बढ़ते हुए उपभोक्ता व्यय और घटती हुई बेरोजगारी दर के कारण अमेरीकी अर्थव्यवस्था में साधारण वृध्दि के साथ वैश्विक आर्थिक स्थिति ने सुधार के संकेत प्रदर्शित किए । तथापि वैश्विक व्यय में 2010 के 5.3% की तुलना में 2011 में 3.9% तक अपवृद्धि हुई । उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के विकास में 3.2% से 1.6% तक गिरावट हुई, जबकि उभरती एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का विकास 2010 के 7.5% की तुलना में 6.2% तक हुआ। 2010 में वैश्विक व्यापार में उछाल के बाद 2011 के दौरान थोड़ी-सी गिरावट हुई । वित्तीय वर्ष के दौरान भारत की निर्यात 21.3% से बढ़कर 304.6 बिलियन अमेरीकी डॉलर्स (₹14,59,281 करोड़) तक पहुंच गयी जबकि आयात 32.4% से बढ़कर 489.4 बिलियन अमेरीकी डॉलर्स (₹23,45,973 करोड़) तक पहुंच गयी । पिछले वित्तीय वर्ष में निर्यात एवं आयात में अनुरूप वृध्दि क्रमश: 40.5% तथा 28.2% रही । परिणामस्वरूप, पिछले वित्तीय वर्ष के 118.6 बिलियन अमेरीकी डॉलर (₹5,40,545 करोड़) के विपरीत 184.8 बिलियन अमेरीकी डॉलर (₹8,86,692 करोड़) इतना उच्च व्यापारिक घाटा हुआ । पिछले वित्तीय वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद के 2.5% से चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4% के ऊपर गया । विदेशी निवेश के अंतर्वाह में पिछले वर्ष के 66.3 बिलियन अमरीकी डॉलर्स की तुलना में 64.0 बिलियन अमेरीकी डॉलर्स तक गिरावट आयी। प्रत्यक्ष निवेश 33.6% से बढ़ा, जबकि पोर्टफोलियो निवेश 44.7% से कम हुए । भारत का बाह्य ऋण मार्च 2011 के ₹13,66,292 करोड़ (305.9 बिलियन अमेरीकी डॉलर) की तुलना में मार्च 2012 में रूपयों में ₹17,67,702 करोड़ (345.8 बिलियन अमेरीकी डॉलर) था । देश के विदेशी विनिमय निधि में 304.8 बिलियन अमेरीकी डॉलर्स से 294.4 बिलियन अमेरीकी डॉलर्स तक हल्की-सी गिरावट हुई ।

(ज) बीमा क्षेत्र :

2010-11 में जीवन बीमा निधि में 2009-10 के ₹2,24,487 करोड़ की तुलना में 12.7% की वृद्धि प्रदर्शित करते हुए ₹2,52,918 करोड़ तक परिवर्तन हुआ ।

प्रथम छमाही में, कुल प्रथम वर्ष प्रीमियम में 21.4% से और नई पालिसियों की संख्या में 16.5% की गिरावट होने बाद, द्वितीय छमाही में, जीवन बीमा उद्योग ने खोये हुए आधार को आंशिक रूप में फिर से प्राप्त किया। पिछले वित्तीय वर्ष के ₹1,25,826 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2011-12 में बीमाकर्ताओं के कुल प्रथम वर्ष प्रीमियम में 9.2% से ₹1,14,233 करोड़ तक गिरावट हुई, जबकि संपूर्ण वर्ष के लिए नई पालिसियों की संख्या में 8.2% की गिरावट आयी ।

भारतीय जीवन बीमा निगम के कुल प्रथम वर्ष प्रीमियम के मार्केट शेयर में 71.4% तक और व्यक्तिगत नव व्यवसाय पालिसियों में 80.9% तक की बढ़ोतरी हुई । समूह बीमा प्रीमियम के मार्केट शेयर में 78.5% तक बढ़ोतरी हुई ।

4. जीवन बीमा व्यवसाय पर समष्टि आर्थिक परिवेश का प्रभाव :

वित्तीय वर्ष 2011–12 आर्थिक विकास के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा । वैश्विक अनिश्चितताओं एवं घरेलू चक्रीय एवं ढांचागत कारकों ने आर्थिक विकास की दर को 7% से नीचे ला दिया । वैश्विक मंदी एवं मौद्रिक कसाव के कारण उभरते हुए एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को भी विकास में गिरावट का सामना करना पड़ा। भारत में आर्थिक विकास की दर जो वित्तीय वर्ष 2010–11 में 8.4% थी, वित्तीय वर्ष 2011–12 की चौथी एवं अंतिम तिमाही में घटकर 5.3% रह गई । जहां सेवा क्षेत्र में विकास दर अपेक्षाकृत ठीक रही, औद्योगिक विकास की दर में भारी गिरावट दर्ज की गई (वित्तीय वर्ष 2010–11 में 8.3% की तुलना में 2011–12 में 2.8%)। वर्ष के कुछ महीनों में यह दर ऋणात्मक भी दर्ज की गई ।

उपयोगी वस्तुओं एवं कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण मुद्रास्फीति पूरे वर्ष में उच्च स्तर पर रही । उच्च मुद्रास्फीति के कारण भारतीय रिज़र्व बैंक को ब्याज दरों में लगातार बढ़ोत्तरी करनी पड़ी, जिससे विकास के लिए निवेश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा । थोक मूल्य सूचकांक अप्रैल से नवम्बर, 2011 तक 9% से ऊपर रहा, हालांकि मार्च, 2012 तक यह 6.9% तक आ गया । इस वर्ष भारतीय रिज़र्व बैंक ने रेपो दर में कई बार बढ़ोत्तरी की, जिससे यह, वर्ष के अंत तक 8.5% हो गई । वर्ष के प्रारंभ में यह 6.75% थी ।

मुद्रा बाज़ार में भी दरें काफी ऊंची रहीं, जो विषम तरल स्थितियों को प्रतिबिंबित करती हैं । इस कारण शीघ्रावधि ब्याज दर वर्ष के उत्तरार्ध में हमेशा रेपो दर से ऊपर रही । विषम तरल परिस्थितियों के कारण कुछ बैंकों को रिज़र्व बैंक की सीमांत स्थायी सुविधा से निधि उठानी पड़ी।

सरकारी प्रतिभूतियों पर प्राप्ति (yield) वर्ष के शुरूआत में थोड़ी घटी, मगर चौथी तिमाही में यह एक दायरे में सीमित रही जोकि मुख्यतः रिज़र्व बैंक द्वारा परिचालित OMO, विदेशी संस्थागत निवेशकों की सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश की सीमा में बढ़ोत्तरी तथा मुद्रास्फीति में कमी की आशाओं के परिणामस्वरूप था । संघीय बजट में अनुमान से अधिक सरकारी उधार कार्यक्रम एवं सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी के कैलेंडर की घोषणा के बाद 10 वर्षीय प्रतिभूति पर प्राप्ति (yield) 30 मार्च, 2012 तक 8.63% पर पहुंच गई।